े किसा-17 पाठ-13 प्रकरण - नाविक सिंदबाद विद्या - कहानी प्रश्नीत्र -प्रिंग. सिंदबाद किस्के साव्य और क्यों यात्रा पर निकला । उत्तर- सिंदबाद अपने सावियों के साव्य ब्यापार करने के लिए यात्रा पर निकला। प्र02. सिंदुबाद के सावी उसे टापू पर छोड़कर क्यों चले गए उत्तर- सीते हुए सिंदबाद पर उसके सावियों का स्यान नहीं त्रिशालकाय पद्मी हीरों की पारी में क्यों गया १ उत्तर-विशालकाय पृक्षी हीशे की पाटी में फेंके गए मांस प्र04. सिदंबाद पाटी से बाहर कैसे आया? उत्तर- सिंदबाद एक बड़ा मांस का दुकड़ा अपनी पगड़ी से बाँध उकाबों के आने की प्रतीक्षा करने लगा एक बड़ा उकाब मांस के दुकड़े के साथ उसे लेकर उड़ा और पहाड़ पर अपने धींसले में पहुंचा इस प्रकार सिंदबाद पाटी से बाहर निकला। अतिरिक्त प्रश्नीत्तर-प्रा. सिंदबाद कीन पा? उत्तर- सिंदबाद एक द्यांपारी या।

प्र02. सिंदबाद केंसे ट्यापार करता या ? जार- सिंदबाद समुद्री मार्ग से ट्यापार करता या।
प्र03. गुंबद जैसी वस्तु क्या भी? इतर- पक्षी का अंडा
प्राप्त पार्टी किनसे भरी व्यी ? उत्तर - साँपों से
पुरतक अक्यास
ा. सही उत्तर चुनकर [1] लगाओं -
क. सिंदबाद पर किस बात का भूत सवार हुआ ? ☐ गुंबद पर चढ़ने का जि थात्रा करने का ☐ हीरों का ट्यापार करने का ☐ साँप प्रकड़ने का
ख. गुंबद जैसी वस्तु क्या जी ? ा विशालकाय पद्मी । बड़ा सफ़ेद परव्पर ा सफ़ेद पद्मी का सिर ा पद्मी का अंडा
2. सही बात पर V और गलत पर X लगाओं -
1. सिंदबाद समुद्र के शस्ते व्यापार करता था। ए 2. सिंदबाद हीरों का व्यापार करने निकला। हा 3. वह धाटी में हीरे चुराने गया था। हा 4. अपने आपको उकाब से बाँधकर सिंदबाद धाटी लि में पहुँचा। 5. धाटी में कई जंगली जानवर थे। 6. सिंदबाद ने कुछ हीरे अपर खेड़ लोगों को दिए। ए

व उ. लिंग बदली स्त्रीलिंग पुलिंग स्त्रीलिंग पुरिलंग हिंचिनी साँपिन हाबी साप सर्विजी अंट नी 30 शैरनी बाविन शेर वाध ्टं 4. समान अर्थवाले शहद चुनकर 🔿 लगाओ-जोश उमंग् - तेजी ऊँचाई कैसला निमणि निर्णय - नतीज़ा नदी स्मुद्र - (सागर) जलद प्रगति प्रयास - प्रमाण (प्रयत्न) मस्तिष्क - विश दिमाग मन नीकप - मेरोप आज़ाद स्वतंत्रता स्मरण - वाद) सम्मान रमारक 5. उदाहरण देखकर एकवचन और बहुवचन भरकर बावय प्री ं क. एक- एक साबी आता गया और सभी सावियों ने काम पूरा कर लिया। थ्व. मुझे यात्रा करने में इतना आनंद आता कि मैंने कह यात्राएँ कर डाली। ग. जहाज पर एक नाविक नहीं था पर बाकी नाविकों ने जहांज चला दिया। प्री धाटी भरी ची। नहीं, बड़े- बड़े साँगें में

भेने पहला एक बड़ा - सा हीरा उठाया, फिर हीरों से अपनी सभी जेवें भर लीं।